

ख़बर संक्षेप

शहडोल की पहली महिला क्षेत्रीय रेल प्रबंधक सुश्री सोनालिका बन्नी

34 वर्षों में पहली बार रेल प्रशासन ने शहडोल में महिला रेल अधिकारी को पदस्थ किया शहडोल। उप मंडलीय रेल क्षेत्र शहडोल की पहली महिला सुश्री सोनालिका रुचंदानी ने क्षेत्रीय रेल प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया है, इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 1992 में उप मंडलीय रेल क्षेत्र शहडोल में क्षेत्रीय रेल प्रबंधक कार्यालय की शुरुआत हुई थी , 1992 से 2026 के मध्य 34 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब रेल प्रशासन में पहली महिला क्षेत्रीय रेल प्रबंधक के रूप में सुश्री सोनालिका रुचंदानी की पदस्थापना शहडोल में की है, इस तरह से सुश्री सोनालिका रुचंदानी शहडोल की पहली महिला रेल अधिकारी बन गई है। मूलतः छत्तीसगढ़ के राजनादगांव की रहने वाली सुश्री सोनालिका ने बिडला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी दुर्ग से बी.ई.इंजीनियरिंग डिग्री हासिल उपरांत यूपीएससी सिविल सर्विस सेवा 2022 की परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय रेल प्रबंधन सेवा में शामिल हुई, प्रशिक्षण के दौरान सुश्री सोनालिका रुचंदानी राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू से भी मुलाकात की थी। वर्तमान में सुश्री सोनालिका रुचंदानी यूपीएससी सिविल सर्विस सेवा की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ संवाद एवं टिप्स सेशन में भी हिस्सा लेती हैं, इसके अलावा क्वेश्चन आंसर के वेबसाइट कोरा पर क्वेश्चन आंसर के सवालों का जवाब भी दिया करती हैं। मुद स्वभाव की पहली युवा महिला क्षेत्रीय रेल प्रबंधक सुश्री सोनालिका रुचंदानी सोहार्द पूर्ण तरीके से रेल कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर उनका निदान भी कर रही हैं, युवा महिला क्षेत्रीय रेल प्रबंधक की पदस्थापना से रेल कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

समकालीन साहित्यकारों एवं लेखकों में सर्वोत्कृष्ट थे प्रेमचंद



साहित्यकारों ने प्रेमचंद, शहीद उधम सिंह एवं मो रफी को किया याद शहडोला। मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई के तत्वावधान में उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती मनाने का आयोजन किया गया । नगर के ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ साहित्यकार उपस्थित रहे। उपस्थित जनों ने मुंशी प्रेमचंद के जीवन एवं उनकी रचनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्हें समकालीन साहित्यकारों एवं लेखकों में सर्वोत्कृष्ट बताया। इकाई की अध्यक्ष किरण सिंह शिल्पी ने मुंशी प्रेमचंद जी की रचनाएं बुधी काकी बड़े घर की बेटी पंच परमेश्वर गोदान कर्मभूमि निर्मला जैसे उपन्यासों के बारे में जानकारी दी एवं वर्तमान लेखक को उनसे प्रेरणा लेने को कहा । मुंशी प्रेमचंद के साथ शहीद उधम सिंह एवं पाश्र्व गायक मोहम्मद रफी की जयंती भी मनाई गई इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित गायकों ने मोहम्मद रफी के गीत गाकर उन्हें याद किया। आयोजन में दिनेश अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, उमा सिंह, प्रताप सोनी, रेणु श्रीवास्तव, जनक कुमारी सिंह, शिवसेन जैन संघर्ष , इशताक शहडोली, राजेंद्र सिंह राजू, रजनीश कुमार सोनी, अनिल प्रभात शुक्ल, जयदीप ताश्कार, दीपक उपाध्याय, बृजमोहन सरफा बशर, रमाशंकर गौतम, डॉ सतिता सिल्लन, छाया गुप्ता राज, किरण सिंह शिल्पी एवं शिरीष नंदन श्रीवास्तव उपस्थित रहे ।इस दौरान मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के इकाई शहडोल के सदस्यों ने विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया । विद्यालय के मेरिट में आने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

आदित्य हॉस्पिटल में जगी जिंदगी की उम्मीद मौत से जंग जीतने की कहानी: सड़क हादसे में उजड़ते परिवार को आदित्य मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने दी नई जिंदगी की उम्मीद

मेडिकल कॉलेज और नागपुर तक इलाज के बाद भी नहीं मिली राहत गंभीर हालत में पहुंचे दंपति का डॉ. आदित्य द्विवेदी और टीम ने किया सफल उपचार आर्थिक तंगी के बावजूद मानवीय संवेदना के साथ निभाया चिकित्सकीय दायित्व

शहडोल। चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और विश्वास का भी दूसरा नाम है। जब सड़क दुर्घटना में एक किसान परिवार की खुशियां पलभर में बिखर गईं, गर्भस्थ शिशु की असमय मौत ने पूरे घर को शोक में डुबो दिया और घायल बेटा-बहू जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे थे, तब निराशा के उस कठिन दौर में आदित्य मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल आशा का केंद्र बनकर सामने आया। डॉ. आदित्य द्विवेदी और उनकी विशेषज्ञ टीम ने न केवल गंभीर रूप से घायल युवक का सफल ऑपरेशन किया, बल्कि उसकी पत्नी का भी समर्पण भाव से उपचार कर दोनों को जीवन की नई राह देने का प्रयास किया। आज दोनों मरीजों की हालत में लगातार सुधार हो रहा है।

19 जुलाई की सुबह ने बदल दी पूरे परिवार की जिंदगी

जयसिंहनगर जनपद की निगाही ग्राम पंचायत निवासी किसान मोहनलाल साहू 19 जुलाई की सुबह लगभग 8 से 9 बजे के बीच अपने 23 वर्षीय पुत्र रवि साहू और सात माह की गर्भवती बहू सोना साहू को मोटरसाइकिल से झड़वाने के लिए लेकर ब्यौहारी जा रहे थे। परिवार नए जीवन के स्वागत की तैयारियों में था, लेकिन ब्यौहारी के रेलवे तिराहा स्थित पुलिया के पास तेज रफ़्तार हाइवा ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए, जबकि चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय नागरिकों ने मानवता का परिचय देते हुए तत्काल एम्बुलेंस और डायल-112 की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर कर दिया गया।

मां बच गई, लेकिन कोख उजड़ गई

मेडिकल कॉलेज में प्रारंभिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल गर्भवती सोना साहू को नागपुर स्थित सिम्स अस्पताल भेजा गया। वहां लगभग आठ दिनों तक इलाज चला, लेकिन सिर पर गंभीर चोट और दुर्घटना से लगी आंतरिक चोटों के कारण चिकित्सक उसके गर्भ में पल रहे सात माह के शिशु को नहीं बचा सके। एक मां की गोद सूनी हो गई और पूरे परिवार का वर्षों से संजोया सपना एक पल में बिखर गया। यह पीड़ा आज भी परिवार



की आंखों में साफ दिखाई देती है।

युवक के पैर में बढ़ता संक्रमण बना चिंता का कारण

इधर रवि साहू का मेडिकल कॉलेज में लगभग छह दिनों तक उपचार चलता रहा। परिजनों के अनुसार इस दौरान अपेक्षित सुधार नहीं हुआ और उसके पैर में संक्रमण लगातार बढ़ता गया। घाव सड़ने लगा तथा दुर्गंध आने लगी, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई। बेटे की बिगड़ती हालत को देखकर परिजन उसे तत्काल आदित्य मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।

डॉ. आदित्य द्विवेदी और टीम ने संमाली जिम्मेदारी

आदित्य मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल पहुंचने के बाद डॉ. आदित्य द्विवेदी एवं उनकी टीम ने मरीज की गंभीर स्थिति का विस्तृत परीक्षण किया। पैर में बढ़ चुके संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल आवश्यक सर्जरी की गई। विशेषज्ञ उपचार, सतत निगरानी और समर्पित चिकित्सकीय प्रयासों का परिणाम यह रहा कि रवि साहू की स्थिति में तेजी से सुधार आने लगा। वहीं नागपुर से लौटने के बाद सोना साहू का भी अस्पताल में निरंतर उपचार किया जा रहा है और उसकी हालत पहले की तुलना में काफी बेहतर बताई जा रही है। चिकित्सकों का कहना है कि समय पर उपचार और नियमित देखभाल से दोनों मरीज खतरे से बाहर हैं तथा शीघ्र ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा सकेगी।

इलाज के साथ मिला अपनापन और संवेदनशील व्यवहार

मोहनलाल साहू बताते हैं कि दुर्घटना के बाद इलाज के लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ा, जमीन-जायदाद तक बेचनी पड़ी और परिवार आर्थिक संकट में डूब गया। नागपुर तक इलाज कराने के बावजूद राहत नहीं मिली। ऐसे समय में आदित्य मल्टी स्पेशलिटी



हॉस्पिटल ने केवल चिकित्सकीय उपचार ही नहीं दिया, बल्कि परिवार की आर्थिक परिस्थितियों को समझते हुए मानवीय संवेदनाओं के साथ सहयोग भी किया। अस्पताल प्रबंधन ने इलाज को प्राथमिकता देते हुए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई, जिससे परिवार का विश्वास फिर से चिकित्सा व्यवस्था पर कायम हुआ।

सहायता के लिए विधायक से भी किया गया संपर्क

डॉ. आदित्य द्विवेदी ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। इसे देखते हुए ब्यौहारी विधायक शरद कोल से चर्चा कर शासन स्तर से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रस्ताव भी भेजा गया है, ताकि इलाज का बोझ कम हो सके और परिवार को राहत मिल सके।

विश्वास का बढ़ता केंद्र बन रहा अस्पताल

क्षेत्र में लगातार ऐसे कई मरीज सामने आ रहे हैं, जो लंबे उपचार के बाद भी राहत न मिलने पर विशेषज्ञ चिकित्सा की उम्मीद लेकर आदित्य मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं। अस्पताल में आधुनिक उपचार सुविधाओं के साथ अनुभवी चिकित्सकों की टीम, त्वरित निर्णय, मानवीय व्यवहार और मरीज केंद्रित चिकित्सा पद्धति लोगों का विश्वास मजबूत कर रही है। यही कारण है कि गंभीर परिस्थितियों में भी कई परिवार इस अस्पताल को नई उम्मीद के रूप में देख रहे हैं।

इनका कहना है...

ऑपरेशन से पहले मुझे लगने लगा था कि शायद मैं कभी अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो पाऊंगा। दर्द और संक्रमण लगातार बढ़ रहा था। आदित्य मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में डॉ. आदित्य द्विवेदी ने मेरा ऑपरेशन किया। उसके बाद से लगातार आराम मिल रहा है और अब मुझे विश्वास है कि मैं फिर सामान्य जीवन जी सकूंगा।



रवि साहू पीड़ित युवक दुर्घटना ने हमारा सब कुछ बदल दिया। घर में आने वाला नया मेहमान दुनिया में आने से पहले ही हमसे बिछड़ गया।

इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ा और जमीन-जायदाद तक बेचनी पड़ी। ऐसे कठिन समय में आदित्य हॉस्पिटल ने हमारे बेटे-बहू का जिस अपनत्व और जिम्मेदारी के साथ इलाज किया, उसे हम जीवन भर नहीं भूल पाएंगे।

मोहनलाल साहू पीड़ित युवक के पिता चिकित्सक होने के नाते हमारा पहला दायित्व मरीज का जीवन बचना है। रवि साहू और सोना साहू दोनों गंभीर अवस्था में हमारे पास पहुंचे थे। पूरी टीम ने

समर्पण और विशेषज्ञता के साथ उपचार किया। आज दोनों मरीजों की स्थिति संतोषजनक है और धीरे-धीरे पूर्ण स्वस्थ होने की ओर बढ़ रही है।

डॉ. आदित्य द्विवेदी पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए शासन स्तर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। चिकित्सकों से चर्चा हो चुकी है और आवश्यक प्रस्ताव पर कार्रवाई की जा रही है, ताकि परिवार को अधिक से अधिक राहत मिल सके। शरद कोल विधायक, ब्यौहारी विधानसभा

38 वर्ष की शासकीय सेवा के बाद रामलल्लू तिवारी सेवानिवृत्त, भावभीनी विदाई समारोह आयोजित

शहडोल। महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड-1 के पद पर कार्यरत रामलल्लू तिवारी 38 वर्ष से अधिक की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण कर 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में विभाग द्वारा एक गरिमायम विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उनके लंबे और समर्पित सेवाकाल की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

रामलल्लू तिवारी की शासकीय सेवा का शुभारंभ 21 मार्च 1988 को हुआ था। अपने 38 वर्षों से अधिक के सेवाकाल में उन्होंने शहडोल एवं अनुपपुर जिलों में विभिन्न पदस्थापनाओं पर रहते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि उनकी कार्यशैली, अनुशासन और सहयोगी स्वभाव आने वाली पीढ़ी के कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

विदाई समारोह में जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा ने श्री तिवारी के उत्कृष्ट योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य रामनारायण पाण्डेय ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके



उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास अधिकारी सतवंत कौर हूरा, आनंद अग्रवाल, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान रामलल्लू तिवारी ने अपने लंबे सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए विभाग के सभी अधिकारियों एवं सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें अपने पूरे कार्यकाल में सभी का भरपूर सहयोग एवं स्नेह मिला, जिसे वे सदैव याद रखेंगे।

विदाई समारोह का समापन सभी उपस्थितजनों द्वारा श्री तिवारी के सम्मान में शुभकामनाएं व्यक्त करने और उनके सुखद, स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना के साथ हुआ।

जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न



उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय द्वारा दिए गए निर्देश पर जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला पोषण समिति की बैठक विकासखंड पाली में संपन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, अन्नमोल, पोषण ट्रेक्टर डैशबोर्ड के संबंध में चर्चा की गई। चिन्हित गंभीर कुपोषित बच्चों का डिस्चार्ज एवं फॉलोअप पोषण पुनर्वसि केंद्र की स्थिति का अवलोकन करते हुए शेष बच्चों का फॉलोअप करने हेतु मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ पी एल सागर एवं परियोजना अधिकारी मौलिका सिंहा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मैदानी अमले को निर्देश दिये गये। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अन्नमोल पोर्टल में पंजीकृत गर्भवती माता एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा विगत तीन माह के आंकड़े जिसे प्रथम एवं द्वितीय गर्भवती माता का पंजीयन जेस्टेशनल वेट गेज की स्थिति पोषण ट्रेक्टर डैशबोर्ड से साझा किया गया। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा मैदानी अमले को निर्देशित किया गया कि ठााम स्तर पर प्रत्येक आरोग्य केंद्र में गर्भवती माता के रिकॉर्ड को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ साझा करते हुए कार्य किया जाए जिससे कि दोनों ही भागों के आंकड़े जिला स्तर पर सामान्य हो वही 6 माह से 59 माह के शिशुओ को दिया जाने वाली आमावसीलिन की जानकारी साझा किया गया । बैठक में बलाक कार्यक्रम प्रबंधक जियाउद्दीन खान ब्लॉक कन्सुलेंटि मोबिलाइज पूजा महोबिया ए एन एस एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

गुरु पूर्णिमा पर टाइम्स क्लासेज के सफल नीट विद्यार्थियों का सम्मान

शहडोल। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शहडोल स्थित टाइम्स आईआईटी-जेईई एवं नीट क्लासेज में भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला शहडोल द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नीट परीक्षा में सफल हुए पांच प्रतिभाशाली विद्यार्थियों तथा उनके मार्गदर्शक गुरु जितेंद्र शुक्ला का सम्मान कर उनकी उपलब्धियों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण एवं जीवन को सही दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों की सफलता उनके अथक परिश्रम, गुरुजनों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रियम मार्टंड त्रिपाठी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष लोहानी, राकेश सोनी, जिला महामंत्री अमित मिश्रा,

कलेक्टर ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली का निरीक्षण

पात्र हितवाहियों के आधार कार्ड बनाने के लिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने पाली विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी,आयुष्मान कक्ष, दवा वितरण कक्ष, पैथालॉजी कक्ष का अवलोकन किया। ओपीडी के निरीक्षण के दौरान बताया गया कि 31 जुलाई को 71 मरीजों ने अपना पंजीयन इलाज हेतु कराया है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड कक्ष का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि पात्र हितवाहियों के आयुष्मान कार्ड शीट प्रतिशत बनाएं जाए। आम जनो को टीबी स्क्रीनिंग के लिए जागरूक किया जाए। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने नवीन पैथालॉजी भवन का भी अवलोकन किया । भवन के निरीक्षण के दौरान भवन में टीबी लैब, लैब स्टोर, ब्लड लैब इनचार्ज, ब्लड कनेक्शन आदि कक्ष बनाए गए है। निरीक्षण के दौरान बताया कि बिजली कनेक्शन के अभाव में भवन संचालित नहीं हो पा रहा है। जिस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बिजली की समस्या का निराकरण करते हुए पैथालॉजी भवन का संचालन शीघ्र प्रारंभ किया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभय सिंह सहित डाक्टर उपस्थित रहे।



रक्सा में गुलाब गुप्ता केशर का औैध साम्राज्य

प्रशासनिक शह पर चल रहा पर्यावरण का कत्ल

ना बाउंड्री, ना एनओसी और ना सुरक्षा नियमों को रद्दी की टोकरी में फेंककर हो रहा गहराई से ज्यादा उत्खनन

मानपुर। जनपद अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत रक्सा में कानून और प्रशासनिक गाइडलाइंस की ध्वजियां उड़ाते हुए गुलाब गुप्ता केशर द्वारा जमकर मनमानी की जा रही है। खदान संचालन के निर्धारित मापदंडों को पूरी तरह दरकिनार कर केशर संचालक द्वारा जरूरत से काफी ज्यादा गहराई तक खुदाई कर विशालकाय खतरनाक खाइयां बना दी गई हैं। हैरत की बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा से जुड़े तमाम नियमों को ठेंगा दिखाते हुए यह खदान बेधडक संचालित हो रही है। सूत्रों की मानें तो केशर संचालन के लिए ग्राम पंचायत से अनिवार्य रूप से ली जाने वाली एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) तक नहीं ली गई है। ऐसे में यह बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर किस ताकतवर संरक्षण के बल पर यह अवैध खेल धड़ल्ले से चल रहा है?

सरकारी नियमों का उड़ रहा मखौल

पर्यावरण स्वीकृति पत्र और सरकारी गाइडलाइंस के कड़े प्रावधानों को गुलाब गुप्ता केशर संचालक ने पूरी तरह से ठुकरा दिया है। नियमों के मुताबिक पत्थर खदान लीज क्षेत्र खसरा नंबर 530/1/1, 530/1/2, 530/1/3, कुल रकबा 1.619 हेक्टेयर के चारों ओर बाउंड्री पिलर और सुरक्षा फेंसिंग होना अनिवार्य है, लेकिन मौके पर ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता। लीज क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की न तो ग्राम पंचायत को कोई सूचना दी गई है और न ही पटवारी रजिस्टर में इसका इंट्राज कराया गया है। महानिदेशालय द्वारा तय 500 मीटर के डेंजर जोन के नियमों का सरेआम उल्लंघन जारी है। मौके पर ना कोई सूचना पटल है और ना ही सुरक्षा के कोई बंदोबस्त।

धूल के गुबार से बेहाल ग्रामीण

केशर से उड़ने वाले धूल के गुबार ने आस-पास के खेतों और आबादी का जीना मुहाल कर दिया है। निकासी मार्ग कच्चा होने और पानी के छिड़काव के लिए सोलर पंप या ओवरहेड सप्रिंकलर न होने से हवा में प्रदूषण का स्तर खतरनाक सीमा पार कर चुका है। नियमतः केशर सडक से 100 मीटर और रिहाइशी इलाके से 500 मीटर की दूरी पर 4 मीटर ऊंची



विंड ब्रेकिंग वॉल (हवा रोकने वाली दीवार) बननी चाहिए, जिसका दूर-दूर तक अता-पता नहीं है। बिना ढके और सूखा खनिज भरकर ओवरलोड दौड़ रहे भारी वाहनों से फुगिटिव उत्सर्जन चरम पर है, जो सीधे तौर पर ग्रामीणों की सेहत पर डाका डाल रहा है।

मलबे से उपजाऊ भूमि बंजर

सुरक्षा मानकों की बलि देकर खदान में ब्लास्टिंग के दौरान भारी ओवरचार्जिंग की जा रही है, जिससे आसपास के घरों की जमीनें कांप उठती हैं। खदान से निकलने वाला जहरीला और प्रदूषित पानी गलैलंड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के अभाव में सीधे खेतों में बहाया जा रहा है। इतना ही नहीं, वन परिधि के नियमों को दरकिनार कर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर दी गई है। ओवरबर्डन और मलबे का वैज्ञानिक निस्तारण करने के बजाय उसे बेतरतीब फैलाकर आसपास की उपजाऊ जमीन को बंजर बनाया जा रहा है। कागजों पर प्रदूषण बोर्ड का बैनर लटका देना ही अगर पर्यावरण संरक्षण है, तो अफसरों की जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठते हैं।

मजदूरों के हक पर डाका

खदान में दिन-रात काम करने वाले मजदूरों का न तो हर 6 महीने में स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है और न ही उन्हें सेफ्टी किट (हेलमेट, जूते, मास्क) दिए गए हैं। विश्राम गृह और पृथक शौचालय जैसी प्राथमिक सुविधाएं तक गायब हैं। रक्सा गांव के जागरूक नागरिकों और



ग्रामीणों ने अब इस अन्याय के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। क्षेत्रीय जनता ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, खनिज विभाग और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मांग की है कि गुलाब गुप्ता केशर का तत्काल भौतिक निरीक्षण कर गहराई, अवैध उत्खनन और एनओसी की जांच की जाए। दोषियों पर आपराधिक मामला दर्ज कर खदान को अविलंब सील (तालाबंदी) किया जाए। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जवाबदेही जिला प्रशासन और खनिज विभाग की होगी।

इनका कहना है...

लीज क्षेत्र में बोर्ड लगा हुआ है, राइट साइड यूके लिट्टिस के पेड़ लगे हैं एवं ऊपर पेड़ लगे हुए हैं, हमारे पास जी.पी.एस. फोटो है और कोई सुझाव आपका होगा तो हम जरूर सुधार करवायेंगे।

बी.एस. पटेल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहडोल *****
इस मामले में दिवाकर सर से बातकर लीजिए, वह उस क्षेत्र को देख रहे हैं। एन.एस.आर्मो
खनिज निरीक्षक उमरिया

कमिश्नर ने पाली के सक्षम एवं आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

कुपोषित बच्चों के समुचित उपचार पर दिया जोर, भोजन की गुणवत्ता चखकर परखी

पेयजल और बिजली की समस्या के समाधान के लिए टीएल बैठक में समीक्षा के निर्देश

उमरिया। कमिश्नर श्रीमती सुरभी गुप्ता ने पाली विकासखंड के वार्ड क्रमांक 6 एवं वार्ड क्रमांक 13 स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों तथा ग्राम गिंजरी के आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे नाश्ते एवं भोजन की गुणवत्ता स्वयं चखकर परखी तथा बच्चों, गर्भवती एवं स्थायी महिलाओं को दी जा रही पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों से कविता, वर्णमाला एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे तथा उनके सीखने के स्तर का भी अवलोकन किया। उन्होंने पोषण वाटिका, पूरक पोषण आहार, साफ-सफाई एवं केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कार्य क्रमांक 6 स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत 52 बच्चों में से 32 बच्चे



उपस्थित मिले। यहां 10 गर्भवती एवं 4 धात्री महिलाओं का पंजीयन पाया गया, जिनकी नियमित स्वास्थ्य जांच कराई जा रही है। वहीं वार्ड क्रमांक 13 के सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र में 63 पंजीकृत बच्चों में से 35 बच्चे उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान काजल बैगा की कुपोषित पुत्री आयाशी बैगा की स्थिति पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कमिश्नर ने परिजनों को बच्चे को 14 दिनों तक अस्पताल में भर्ती कर समुचित उपचार करने की समझावश दी। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार एवं पोषण मिलने से बच्चा

सीमा (टीएल) बैठक में समीक्षा कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराया जाए। ग्राम गिंजरी स्थित आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान 53 पंजीकृत बच्चों में से 36 बच्चे उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान काजल बैगा की कुपोषित पुत्री आयाशी बैगा की स्थिति पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कमिश्नर ने परिजनों को बच्चे को 14 दिनों तक अस्पताल में भर्ती कर समुचित उपचार करने की समझावश दी। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार एवं पोषण मिलने से बच्चा

कुपोषण से बाहर आ सकेगा। गिंजरी केंद्र में 7 गर्भवती महिलाओं में से एक महिला हाई रिस्क श्रेणी में चिन्हित पाई गई। कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को उसके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्रीमती सुरभी गुप्ता ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को फल की टोकरी भी भेंट की। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कहा कि बच्चों को खेल-

खेल में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जाएं, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाली श्रीमती मीनाक्षी इंगले, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती दिव्या गुप्ता सहित खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत नगर परिषद जैतहरी क्षेत्र के चयनित तीर्थयात्रियों को शनिवार के श्रद्धा, सम्मान और उत्साहपूर्ण वातावरण में तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया गया। नगर परिषद परिसर में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में यात्रियों का माल्यांतरण कर रामनाथी साफा पहनाकर स्वागत किया गया तथा उनकी सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जिसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज में संस्कार, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक चेतना का

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैतहरी से श्रद्धा और सम्मान के साथ रवाना हुए तीर्थयात्री



भी संचार करती है। पूर्व विंध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि यह योजना वरिष्ठजनों के सम्मान और उनकी धार्मिक भावनाओं को साकार करने का सशक्त माध्यम है। शासन के ऐसे प्रयास समाज में विश्वास, आत्मीयता और जनकल्याण की भावना को और मजबूत करते हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत चयनित सभी तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा, आवास, भोजन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं शासन

द्वारा सुनिश्चित की गई हैं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नगर परिषद ने भी यात्रियों के प्रस्थान से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर सम्मानपूर्वक उन्हें विदा किया। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद परिसर श्रद्धा और भक्ति के माहौल से सराबोर रहा। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तीर्थयात्रियों का पुष्पहार और रामनाथी साफा पहनाकर अभिनंदन किया। वहीं परिजनों और स्थानीय नागरिकों ने भी अपने प्रियजनों को शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी तथा उनके सकुशल एवं मंगलमय तीर्थ प्रवास की कामना की। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता, पूर्व विंध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह, कैलाश मरावी, नरेश नागपत, विकास त्रिपाठी, कुलदेव मिश्रा, अमितेश तिवारी, संजीव राठौर सहित नगर परिषद के जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी तथा उनके सकुशल एवं मंगलमय तीर्थ प्रवास की कामना की। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता, पूर्व विंध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह, कैलाश मरावी, नरेश नागपत, विकास त्रिपाठी, कुलदेव मिश्रा, अमितेश तिवारी, संजीव राठौर सहित नगर परिषद के जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा ने संभाला मोर्चा साफ-सफाई पर जताई नाराजगी, डॉक्टरों की कमी और बंद संजीवनी क्लीनिक पर दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जिले के नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा ने पदभार ग्रहण करने के दूसरे ही दिन शुक्रवार को कोतमा क्षेत्र का दौरा कर प्रशासनिक सक्रियता का संदेश दिया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सालय की व्यवस्थाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रसूति वार्ड, जनरल वार्ड, पैथोलॉजी, लेबर रूम, ओपीडी, इमरजेंसी यूनिट तथा दवा वितरण केंद्र का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य, उपचार की गुणवत्ता, डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ के नियमित विजिट तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर कलेक्टर अर्संतोष जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। बीएमओ से चर्चा



के दौरान अस्पताल में चिकित्सकों की भारी कमी की जानकारी सामने आई, जिस पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने अस्पताल में सभी आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष

रूप से वर्षा ऋतु को देखते हुए सर्पदर्श के मामलों की संभावना के मद्देनजर एंटी वेनम का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के लिए कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी मरीज को दवाओं के अभाव में परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा दवाओं के नियमित भंडारण एवं समय-समय पर उनकी उपलब्धता की समीक्षा की जाए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने पिछले दो माह से संजीवनी क्लीनिक बंद होने की शिकायत कलेक्टर के समक्ष रखी। इस पर उन्होंने मौके पर ही बीएमओ को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए जल्द से जल्द क्लीनिक का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) टीआर नाग, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रवि ग्वाल, तहसीलदार दशरथ सिंह, बीएमओ डॉ. केएल दीवान, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. गणेश प्रजापति, आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. संगीता प्रजापति सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

गुरु पूर्णिमा के साथ नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। शासकीय महाविद्यालय जैतहरी में गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करने के साथ-साथ नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था एवं विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूतपूर्व शिक्षक एवं समाजसेवी शिवहर ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु का मार्गदर्शन जीवन को सही दिशा देता है और सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान, अनुशासन तथा सतत अध्ययन की भावना विकसित करने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जितेन्द्र सिंह धुवें ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का भी महत्वपूर्ण



मानसिक स्वास्थ्य एवं परामर्श सेवाओं सहित विभिन्न छात्र सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें महाविद्यालय के नियमों, उपलब्ध संसाधनों तथा छात्र हितैषी योजनाओं से भी परिचित कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। अंत में सभी ने गुरुजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए नवप्रवेशित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अघोषित बिजली कटौती से जनता परेशान, शिवसेना ने सौंपा ज़ापण

हरिभूमि न्यूज भालुमाड़ा। कोतमा विद्युत वितरण क्षेत्र में पिछले कई महीनों से जारी अघोषित एवं अनियमित बिजली कटौती को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी गुदे पर शिवसेना (उद्धव बाकायदाह ठाकरे) के नगर अध्यक्ष बरकत कुरेशी ने शहडोल संभाग अध्यक्ष पवन पटेल के निर्देश पर सहायक अगिरंता को ज़ापण सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। ज़ापण में कहा गया है कि क्षेत्र में दिन के समय कई-कई घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहती है, वहीं रात में भी बिना किसी पूर्व सूचना के कटौती की जा रही है। इससे आम नागरिकों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई, छोटे व्यापारियों का कारोबार तथा घरेलू और व्यावसायिक विद्युत उपकरणों का संचालन भी बाधित हो रहा है। गर्मी के मौसम में लो-वोल्टेज और लगातार बिजली गुल रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर अध्यक्ष बरकत कुरेशी ने बताया कि इसी समस्या को लेकर कुछ माह पूर्व भी विद्युत विभाग को ज़ापण सौंपा गया था।

शासकीय महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा एवं संदीपनि ऋषि श्रद्धा पर्व का आयोजन

हरिभूमि न्यूज राजनगर। शासकीय महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा एवं संदीपनि ऋषि श्रद्धा पर्व का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राम सखा गुप्ता ने भारतीय संस्कृति में गुरु की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही व्यक्ति को ज्ञान, संस्कार एवं जीवन के सही मार्ग का बोध कराते हैं। उन्होंने महर्षि सांदीपनि के जीवन एवं उनके द्वारा प्रदत्त आदर्शों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव रखने की प्रेरणा दी। महाविद्यालय के प्राचार्य मयंक ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो गुरु-शिष्य परंपरा की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी सुश्री मीरा पाव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा सह-प्रभारी श्री मनोज जायसवाल ने गुरु परंपरा के महत्व पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक संजय दास पनिका, अनुसुइया रजक, आनंद मिश्रा, दिग्विजय पाटिल और कर्मचारी विपुल, अमन, श्रीमति रश्मि, रमेश सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गुरुजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।



खबर संक्षेप

स्वयंसेवियों को आपदा प्रबंधन का दिया जा रहा प्रशिक्षण

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं होमगार्ड नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार सिविल डिफेंस टाउन कटनी में 'आपदा मित्र योजना' के अंतर्गत 150 स्वयंसेवियों का 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक वन मंडलाधिकारी कार्यालय, कटनी के प्रशिक्षण कक्ष में संचालित हो रहा है। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस प्रतिभागियों को विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे सुनामी, आकाशीय बिजली, चक्रवात, बाढ़ल फटना एवं सूखा आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। यह सत्र डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट आर.एस. बघेल के मार्गदर्शन में प्लाटन कमाण्डर विवयांश चौधरी, एसआई मुन्नालाल विश्वकर्मा एवं मास्टर ट्रेनर श्री कुनाल गौतम द्वारा संचालित किया गया। इस दौरान आपदा की स्थिति में बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। वहीं प्रशिक्षण के तृतीय दिवस में अग्निशमन दल के सदस्यों श्री मनीष दुबे, ओम दुबे, शिवा बड़गईया (नगर निगम कटनी) द्वारा आग के प्रकार, आग बुझाने की विधियों एवं उपकरणों की जानकारी दी गई। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में किए जाने वाले बचाव कार्यों का डेमो प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त मास्टर ट्रेनर श्री अगर रैदास ने आकस्मिक स्थितियों में अपनाई जाने वाली बचाव पद्धतियों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वयंसेवियों को आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सक्षम बनाना है, ताकि वे समाज में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।



अंतिम छोर के हितग्राही तक पहुंचना ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता- कमिश्नर



कमिश्नर ने ग्राम पंचायत पठारी में हर घर नल से जल योजना , पंचायत भवन, खेल मैदान का किया निरीक्षण

उमरिया। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जिले के ग्राम पंचायत पठारी का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हर घर नल से जल योजना के अंतर्गत संचालित व्यवस्थाओं , पंचायत भवन, खेल मैदान, सामुदायिक भवन तथा कस्टम हायरिंग सेंटर के हितग्राही से रूबरू चर्चा की। कस्टम हायरिंग सेंटर के हितग्राही ओम प्रकाश सिंह ने बताया योजना के तहत बहुत फायदा हुआ है । दो अन्य लोगों की भी काम पर रखा है । उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कृषि यंत्रों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर छोटे एवं सीमांत किसानों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे खेती की लागत कम हो और उत्पादन में वृद्धि हो सके। पंचायत भवन के निरीक्षण के

योजनाएं हैंडओवर हो चुकी है 27 में कार्य बचा हुआ है । कमिश्नर शहडोल संभाग ने ग्राम में बने संपवेल का अवलोकन भी किया तथा हितग्राही के घर पहुंचकर नल जल योजना के संबंध में पूछताछ की जहां पानी मिलना पाया गया । उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक घर तक नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। भ्रमण के दौरान कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, नियमित मॉनिटरिंग करने तथा ग्रामीणों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम छोर के हितग्राही तक पहुंचना ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अनुविभागीय पाली मीनाक्षी इंग्रले, सहित खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



यात्री ट्रेनों के ठहराव और रेल सुविधाओं के विस्तार को लेकर रेल मंत्री से मिली सांसद

जल्द ही रुकेगी बरौनी गोंदिया ट्रेन बिरसिंहपुर में साथ ही होगा रेल सुविधाओं का विस्तार रेल सेवाएं सामाजिक और व्यवहारिक जीवन

का आधार होती हैं शहडोल। संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार व ट्रेनों के ठहराव को लेकर शहडोल संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह जी आज लोकसभा सत्र के दौरान केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्वनी वैष्णव जी से आत्मीय मुलाकात की। मुलाकात के दौरान माननीय सांसद द्वारा शहडोल संसदीय क्षेत्र के अनुपपुर उमरिया और शहडोल जिले अंतर्गत आने वाले प्रमुख रेलवे स्टेशनों में ट्रेनों के ठहराव की मांग की गई जिसमें इंदौर बिलासपुर एक्सप्रेस वेंकट नगर और करकेली बरौनी गोंदिया एक्सप्रेस बिरसिंहपुर, रीवा बिलासपुर एक्सप्रेस नवरोजाबाद इंदौर बिलासपुर एक्सप्रेस करकेली अंबिकापुर जबलपुर एक्सप्रेस



चंदिया शक्तिपुंज एक्सप्रेस महरोई स्टेशनों में ट्रेनों का ठहराव आम जनमानस के लिए अनिवार्य है 1 साथ ही शहडोल से

रीवा वाया जयसिंहनगर व्यवहारी होते हुए डायरेक्ट रेल लाइन एवं शहडोल से डिंडोरी मंडला होते हुए जबलपुर रेल लाइन विस्तार की बात कही गई। साथ ही अंबिकापुर शहडोल ट्रेन को अंबिकापुर से उमरिया तक चलने की बात कही गई , कटनी से उमरिया शहडोल अनुपपुर बिलासपुर गोंदिया होते हुए नागपुर के रास्ते मुंबई तक एक डायरेक्ट ट्रेन की मांग भी की गई। सांसद महोदय के मांग पत्र पर विचार करते हुए माननीय रेल मंत्री द्वारा ट्रेनों के ठहराव की बात को स्वीकार करते हुए अति शीघ्र ट्रेनों के स्टॉपेज करने की बात कही गई। साथ ही अन्य कार्यों को प्राथमिकता के साथ जमीन पर उतारने की बात की गई। भारतीय जनता पार्टी उमरिया के पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने मंत्री महोदय को बांधवगढ़ आने का आमंत्रण भी दिया जिसे सहर्ष स्वीकार करते हुए मंत्री द्वारा शहडोल संसदीय क्षेत्र में अति शीघ्र आने की बात कही गई ।

नवोदय विद्यालय के तीन विज्ञान प्रोजेक्ट क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

अमरकंटक। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक के विद्यार्थियों ने विज्ञान, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के तीन कार्यशील विज्ञान मॉडल क्लस्टर स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता के लिए चयनित किए गए हैं। इन नवाचारी परियोजनाओं का मार्गदर्शन विद्यालय की अटल टिकरिंग लैब के फसिलिटेटर डॉ. सुनील कुमार ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कक्षा 12वीं के छात्र अरमान नापित ने अपने जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई विषय पर तैयार कार्यशील मॉडल के माध्यम से प्राप्त किया। यह मॉडल अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों से निकलने वाले जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के सुरक्षित, वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। द्वितीय स्थान कक्षा 11वीं के छात्र प्रयाग सेन को उनके सतत कृषि प्रणाली विषयक मॉडल के लिए मिला। यह परियोजना आधुनिक तकनीक के उपयोग से जल एवं विद्युत की बचत करते हुए टिकाऊ, लाभकारी और पर्यावरण-अनुकूल कृषि व्यवस्था को बढ़ावा देने की अवधारणा पर आधारित है। वहीं, कक्षा 8वीं की छात्रा प्रिंसी तामकार ने वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल संरक्षण विषय पर तैयार अपने मॉडल से तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह मॉडल वर्षा जल के



संग्रहण, संरक्षण तथा भूजल स्तर में वृद्धि के लिए एक व्यवहारिक और प्रभावी प्रणाली को प्रदर्शित करता है। विद्यालय द्वारा विकसित इन तीनों विज्ञान मॉडलों की विशेषता यह है कि इन्हें दैनिक जीवन और समाज में व्यावहारिक रूप से उपयोग में लाया जा सकता है। जल संरक्षण, सतत कृषि, ऊर्जा दक्षता और जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन जैसे समासमयिक विषयों पर आधारित ये परियोजनाएँ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए उपयोगी एवं नवाचारी समाधान प्रस्तुत करती हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुश्री अर्चना सिंह पायक ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में वैज्ञानिक सोच, नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता को निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यालय के विद्यार्थी आगे भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, जिले और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगे। अटल टिकरिंग लैब के फसिलिटेटर डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता में सफलता हासिल करना नहीं, बल्कि समाज की वास्तविक समस्याओं के वैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान विकसित करना है। विद्यालय प्रबंधन ने भी उम्मीद जताई कि चयनित तीनों मॉडल आगामी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित करेंगे।

शिक्षक ने महिला प्राचार्य के साथ की मारपीट, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ॥ कटनी

बिलहरी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक शिक्षक ने स्कूल परिसर के भीतर ही महिला प्राचार्य के साथ जमकर मारपीट कर दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम के साथ भी आरोपी शिक्षक ने हाथापाई और झुमझुटकी की। पुलिस ने आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, बिलहरी हायर सेकेंडरी स्कूल में पदस्थ शिक्षक वरुण नायक ने अचानक किसी बात को लेकर संस्था की महिला प्राचार्य रेखा तिवारी से विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि शिक्षक ने प्राचार्य पर हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट की। स्कूल के भीतर हुई इस घटना से उत्पन्न और विद्यार्थियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब स्थिति को संभालने और आरोपी को शांत कराने का प्रयास किया तो आरोपी शिक्षक वरुण नायक ने पुलिसकर्मियों के साथ भी अमरुता प्रचार करते हुए झुमझुटकी शुरू कर दी। हालांकि, पुलिस ने मुस्तैबी दिखाते हुए आरोपी शिक्षक को काबू में किया और हिरासत में ले लिया। मारपीट में घायल हुई प्राचार्य रेखा तिवारी का पुलिस द्वारा डॉक्टरी परीक्षण (मैडिकल) करवाया गया। घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।



“नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के तहत उमरिया पुलिस ने जिलेमर में चलाया व्यापक हस्ताक्षर एवं नशामुक्ति शपथ

उमरिया। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में संचालित “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के अंतर्गत उमरिया पुलिस द्वारा जिलेमर में जनजागरूकता के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर हस्ताक्षर एवं नशामुक्ति शपथ अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, वाहन चालकों एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर उन्हें नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनाना रहा। जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशे के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उमरिया स्थित साई पैरामेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में थाना प्रभारी मदनलाल मरावी, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक कोमल सिंह बागरी, सहायक उप निरीक्षक इंद्रभान पटेल तथा युवा टीम उमरिया के संयोजक हिमांशु तिवारी की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने हस्ताक्षर कर नशामुक्त



समाज के निर्माण का संकल्प लिया। उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी तथा उन्हें स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इसके उपरांत सभी को नशे के विरुद्ध सामूहिक शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में पाली में एसडीओपी शिवचरण बोहित के नेतृत्व में स्टेशन चौराहे पर विशेष हस्ताक्षर एवं जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर ऑटो एवं बस चालकों, व्यापारियों तथा आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी ने हस्ताक्षर कर नशे से दूर रहने, दूसरों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने वाहन चालकों से विशेष रूप से अपील की कि वे नशे की अवस्था में वाहन चलाने जैसी गंभीर लापरवाही से बचें तथा सुरक्षित यातायात और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश समाज तक पहुंचाएं।अभियान के दौरान प्रधान आरक्षक महेश मिश्रा, युवा हिमांशु तिवारी, अभिनव द्विवेदी, रुद्र प्रधान सहित युवा टीम के सदस्य एवं अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई तथा आमजन को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का कार्य किया।

मीना बाजार में बिना अनुमति संचालित मूत बंगला पर उठे सवाल

नागरिकों ने की जांच और कार्रवाई की मांग

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 7 बनिया टोला में आयोजित मीना बाजार के भीतर संचालित किए जा रहे भूत बंगला को लेकर स्थानीय नागरिकों ने गंभीर आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि यह मनोरंजन स्थल आवश्यक प्रशासनिक अनुमति और सुरक्षा मानकों का पालन किए बिना संचालित किया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से छोटे बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। नागरिकों का कहना है कि भूत बंगले में छोटे बच्चों के प्रवेश पर किसी प्रकार की आयु सीमा या चेतावनी संबंधी बोर्ड नहीं लगाया गया है। जबकि ऐसे आकर्षणों में तेज आवाजें, अंधेरा और डरावने दृश्य छोटे बच्चों के



मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। अभिभावकों का भी मानना है कि कम उम्र के बच्चों के लिए ऐसे स्थान भय और मानसिक तनाव का कारण बन सकते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि कोई बच्चा भूत बंगले में प्रवेश करता भी है तो उसे

अभिभावक या संरक्षक की निगरानी में ही अनुमति दी जानी चाहिए। साथ ही प्रवेश द्वार पर स्पष्ट रूप से यह उल्लेख होना चाहिए कि निर्धारित आयु से कम बच्चों तथा कर्मचोर हृदय वाले लोगों का प्रवेश वर्जित है। नागरिकों ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या

भूत बंगला संचालित करने के लिए स्थानीय प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति प्राप्त की गई है। उनका कहना है कि ऐसे मनोरंजन स्थलों में आपातकालीन निकास, पर्याप्त वेंटिलेशन, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड तथा आपात स्थिति से निपटने की व्यवस्था होना भी आवश्यक है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन, पुलिस और नगर पालिका से पूरे मामले की जांच कराने, आवश्यक अनुमति एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का सत्यापन करने तथा यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाए तो नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि, इस संबंध में प्रशासन या मीना बाजार के आयोजकों का पक्ष सामने नहीं आया है। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

घर का कचरा केवल कचरा वाहन को दें, गीला-सूखा कचरा अलग रखें

राजनगर। नगर परिषद डोला ने स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से नगरवासियों से घरों और प्लॉटवालों का कचरा केवल डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन को सौंपने की अपील की है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखनपाल पनिका के निर्देश पर नगर परिषद अध्यक्ष रेनु सुरेश कोल एवं उपाध्यक्ष रविशंकर तिवारी द्वारा नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया जा रहा है। नगर परिषद ने बताया कि नगर के सभी वार्डों में प्रतिदिन कचरा संग्रहण वाहन भेजा जा रहा है। ऐसे में नागरिक सड़क, नाली, खाली प्लांट, सार्वजनिक स्थानों अथवा जल स्रोतों में कचरा न फेंकें। इससे न केवल शहर की सुंदरता प्रभावित होती है, बल्कि गंदगी के कारण कई संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है। परिषद ने नागरिकों से घरों में दो डस्टबिन रखने की अपील की है। एक डस्टबिन में गीला



कचरा, जैसे सब्जियों और फलों के छिलके, बचा हुआ भोजन, चाय की पत्ती, फूल-पत्तियां आदि रखें, जबकि दूसरे डस्टबिन में प्लास्टिक,

कागज, गत्ता, कांच, धातु एवं अन्य पुनर्वर्णन योग्य सूखा कचरा अलग रखें। इससे कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण और पुनर्वर्णन संभव हो सकेगा। नगर परिषद के अनुसार कचरा केवल कचरा वाहन में देवे से सड़कें और मोहल्ले साफ-सुथरे रहेंगे, मच्छर-मकियों का प्रकोप कम होगा, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टायफाइड और हैजा जैसी बीमारियों का खतरा घटेगा। साथ ही नालियां जाम नहीं होंगी और वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या भी कम होगी। नगर परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क पर कचरा न फेंकें, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें तथा स्वच्छता का संदेश अपने परिवार और आसपास के लोगों तक भी पहुंचाएं। परिषद का कहना है कि आसपास सहयोग ही स्वच्छ डोला की सबसे बड़ी ताकत है। स्वच्छता को आदत बनकर ही स्वस्थ और सुंदर नगर का निर्माण किया जा सकता है।

प्राथमिक विद्यालय कोटियां में शिक्षक की कमी से पढ़ाई हो रही प्रभावित

ब्यौहारी। व्यवहारी से नजदीक जयसिंहनगर विकासखंड के अंतर्गत आने वाला प्राथमिक विद्यालय कोटियां शिक्षक की कमी से जूझ रहा है यहां के प्रधानाध्यापक जगजीवन खैरवार ने बताया कि यहां पर 90 विद्यार्थी पहली से पांचवी तक में है 30 विद्यार्थियों में एक शिक्षक के हिसाब से यहां पर तीन शिक्षक होनी चाहिए लेकिन दो ही शिक्षक हैं यहां के एक शिक्षक सुकबरिया बाई सिंह को छात्रावास अधीक्षक व्यवहारी में बनाया गया है और उनकी पोस्टिंग यहीं पर है इसलिए यहां अतिथि शिक्षक की भर्ती भी नहीं हो पा रही ग्राम वासियों ने मांग की है कि छात्रावास अधीक्षक सुखवारिया भाई सिंह को किसी अन्य विद्यालय में पदस्थ कर यहां पर अतिथि शिक्षक की भर्ती की जाए जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो ग्राम वासियों ने आदिवासी आयुक्त से सुकबरिया बाई सिंह को यहां से अन्यत्र सदस्य करने एवं अतिथि शिक्षक नियुक्त करने की मांग की है।

गौशाला की जमीन का सीमांकन करारें जाने की मांग

ब्यौहारी। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गौशाला झरसी से लग्नी हुई जमीन पर गांव के ही इंड्रजीत पटेल द्वारा अवैध अतिक्रमण कर उसमें प्लांटिंग की जा रही है और उसको बेचा जा रहा है जबकि वह शासकीय जमीन है फिर भी मनमानी की जा रही है इस संबंध में जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा कई बार गौशाला की जमीन का सीमांकन करवा जाने के लिए तहसीलदार को पत्र लिखा गया लेकिन 3 साल बीत जाने के बाद भी गौशाला की जमीन का आज तक सीमांकन नहीं हुआ ग्राम वासियों ने गौशाला की भूमिका से शीघ्र सीमांकन करा कर शासकीय भूमि को खाली करवा जाने की मांग की है।

ख़बर संक्षेप

नगर परिषद डोला का मच्छरों पर प्रहार, फॉगिंग अभियान तेज



डोला/राजनगर। वर्षा ऋतु में मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर परिषद डोला ने विशेष फॉगिंग अभियान शुरू किया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका के निदेशन तथा नगर परिषद अध्यक्ष रेनु सुरेश कोल एवं उपाध्यक्ष रविशंकर तिवारी के मार्गदर्शन में नगर के सभी 15 वार्डों में फॉगिंग मशीन के माध्यम से नियमित रूप से दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों, मुख्य मार्गों, नालियों, रिहायशी बस्तियों तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में फॉगिंग कर मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। नगर परिषद का उद्देश्य डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मौसमी बीमारियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नगर परिषद ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि अपने घरों और आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें। कूलर, पानी की टैंकियाँ, गमलों तथा अन्य जल पात्रों की नियमित सफाई करें और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। परिषद का कहना है कि प्रशासन के प्रयास तभी सफल होंगे जब नागरिक भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। नगर परिषद ने लोगों से आह्वान किया है कि सभी मिलकर स्वच्छता को अपनी आदत बनाएं, मच्छरों को दूर भगाएं और डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से अपने परिवार एवं पूरे नगर की सुरक्षा सुनिश्चित करें। परिषद का संदेश है स्वच्छ डोला, स्वस्थ डोला- मच्छर मुक्त नगर हमारा संकल्प।

जिले में अब तक 366 निमी औसत वर्षा दर्ज
कटनी। जिले में 1 जून से 30 जुलाई तक कुल 366 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 689.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 681.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। अधीक्षक भू-अभिलेख मुनालाल तिवारी ने बताया कि जिले में इस अवधि में कटनी तहसील में 368.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 531.5 मिलीमीटर, बड़वाहा तहसील में 217.5 मिलीमीटर, बरही तहसील में 215.8 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 261.4 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 331.1 मिमी एवं स्लीमनाबाद तहसील में 681.4 मिलीमीटर तथा डोमरखेड़ा तहसील में 317.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

800 ग्राम के अति-कम वजनी नवजात को मिला नया जीवन



अनूपपुर। जिला चिकित्सालय अनूपपुर के विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई ने एक बार फिर आजी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का परिचय देते हुए 800 ग्राम वजन वाले अति-कम वजनी नवजात को नया जीवन दिया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की सतत निगरानी, आधुनिक उपचार एवं समर्पित देखभाल से गंभीर स्थिति में जन्मे इस नवजात को स्वरुध कर घर भेजा गया। जानकारी के अनुसार विकासखंड कोतमा के ग्राम छोटबेलिया निवासी मालती अहिरवार ने 32 सप्ताह की प्रेमेन्टरी डिलीवरी के दौरान एक पुत्र को जन्म दिया। जन्म के समय नवजात का वजन मात्र 800 ग्राम था और उसे गंभीर श्वसन संबंधी परेशानी थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 28 जुल 2026 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिजुरी से तत्काल जिला चिकित्सालय अनूपपुर के एसएनसीयू में रेफर कर भर्ती कराया गया। एसएनसीयू में शिशु रोग विशेषज्ञों की टीम ने नवजात का गहन उपचार शुरू किया। लगभग 20 दिनों तक उसे बबल सी-पीप सपोर्ट पर रखा गया। इसके साथ ही आवश्यक जीवनरक्षक उपचार, संतुलित पोषण, संक्रमण से बचाव और 24 घंटे

चिकित्सकीय निगरानी सुनिश्चित की गई। चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि नवजात की स्थिति में लगातार सुधार होता गया। करीब एक माह तक चले उपचार के बाद नवजात का वजन बढ़कर 1 किलोग्राम हो गया और उसकी सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी स्थितियां सामान्य हो गईं। स्वास्थ्य पूरी तरह स्थिर होने पर चिकित्सकों ने उसे स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया। डिस्चार्ज के समय चिकित्सकीय टीम ने परिजनों को मदद केयर, नियमित स्नानाग्न, स्वरुधता बनाए रखने तथा निर्धारित समय पर फॉलोअप के लिए अस्पताल आने की सलाह दी। अपने स्वस्थ शिशु को घर ले जाते समय परिजनों ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर की एसएनसीयू टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की समर्पित सेवाओं की सराहना की। यह सफलता जिला चिकित्सालय अनूपपुर की नवजात शिशु देखभाल सेवाओं की गुणवत्ता और समय पर उपलब्ध विशेषज्ञ उपचार का एक प्रेरणादायक उदाहरण मानी जा रही है।

गरीब और छोटे दुकानदारों पर चला नगर पालिका का डंडा निर्मित मीट मार्केट के बावजूद पुरानी व्यवस्था जारी होने का आरोप

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर में नगर पालिका द्वारा इन दिनों अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर दुकान लगाने वाले छोटे दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। नगर पालिका की टीम द्वारा दुकानों के सामने किए गए अतिक्रमण को हटाने के साथ ही कई स्थानों पर सामान हटवाया जा रहा है। कार्रवाई को लेकर जहां प्रशासन इसे शहर की व्यवस्था सुधारने की कवायद बता रहा है, वहीं दूसरी ओर अब इसी अभियान की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। लोगों का कहना है कि यदि शहर में नियमों का पालन कराने के लिए अभियान चलाया जा रहा है तो कार्रवाई सभी के लिए एक समान होनी चाहिए। इसी बीच पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में खुले में मीट कारोबार संचालित होने की शिकायतों ने नगर पालिका और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि मीट कारोबार को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से अलग मीट मार्केट का निर्माण कराया गया है, लेकिन इसके बावजूद पुरानी व्यवस्था में ही कारोबार संचालित होने की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब छोटे दुकानदारों के अतिक्रमण को हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई की जा सकती है तो खुले में मीट कारोबार के मामले में जिम्मेदार विभागों द्वारा समान सख्ती क्यों नहीं दिखाई जा रही है?

अतिक्रमण अभियान में भेदभाव के आरोप

नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर अब शहर में चर्चा तेज हो गई है। अभियान के दौरान छोटे दुकानदारों और गरीब तबके के लोगों को हटाए जाने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा होने की बात भी सामने आ रही है। दूसरी ओर कुछ ऐसे स्थानों पर कथित रूप से नियमों के उल्लंघन की शिकायतें होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने को लेकर लोगों में असंतोष है। भारतीय गण वार्ता भगवा पार्टी के जिला महामंत्री वरुण चटर्जी ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि अतिक्रमण हटाने का अभियान नियमों के आधार पर चलाया जा रहा है तो फिर किसी के लिए अलग और किसी के लिए अलग व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीब और छोटे दुकानदारों की दुकानों पर कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया जा रहा है, लेकिन पुरानी सब्जी मंडी में खुले में मीट कारोबार संचालित होने की शिकायतों पर जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। इससे लोगों के बीच प्रशासन की कार्रवाई को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

निर्मित मीट मार्केट का उद्देश्य क्या?

शहर में मीट कारोबार को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से मीट मार्केट का निर्माण कराया गया है। इसका उद्देश्य कारोबारियों को निर्धारित स्थान उपलब्ध कराना और बाजार क्षेत्र में खुले में मांस-मछली की बिक्री से उत्पन्न होने वाली अव्यवस्था को रोकना बताया जाता है। इसके बावजूद यदि पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में ही खुले में मीट कारोबार



जारी है तो मीट मार्केट के निर्माण और उसके संचालन को लेकर भी सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में खुले में मीट कारोबार होने से आवागमन प्रभावित होने के साथ-साथ आसपास के दुकानदारों और आम नागरिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लोगों की मांग है कि नगर पालिका इस पूरे मामले की जांच कर यह स्पष्ट करे कि मीट कारोबार के लिए निर्धारित स्थान का उपयोग क्यों नहीं हो रहा है और यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

शासन के निर्देशों के पालन पर भी सवाल

वरुण चटर्जी ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा खुले में मांस-मछली के विक्रय को व्यवस्थित करने और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में जिला मुख्यालय अनूपपुर में यदि खुले में मीट कारोबार संचालित

होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो संबंधित विभागों को इसकी जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक स्थलों की स्थिति सुधारने के लिए अतिक्रमण हटाना जरूरी है, लेकिन यह कार्रवाई निष्पक्ष और समान रूप से होनी चाहिए। केवल छोटे दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करने से शहर की व्यवस्था पूरी तरह ठीक नहीं हो सकती। जहां भी नियमों का उल्लंघन हो रहा है, वहां बिना किसी दबाव या भेदभाव के कार्रवाई आवश्यक है।

गरीबों पर कार्रवाई और दूसरों को छूट का आरोप

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सबसे बड़ा मुद्दा यही है कि क्या नियम सभी के लिए समान हैं? छोटे दुकानदारों का कहना है कि वे वर्षों से छोटी दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। अचानक कार्रवाई होने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे में प्रशासन को कार्रवाई से पहले वैकल्पिक व्यवस्था और पुनर्वास जैसे पहलुओं पर भी विचार करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यदि किसी बड़े कारोबारी, प्रतिष्ठान या अन्य गतिविधि द्वारा सार्वजनिक स्थान पर नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है तो वहां भी समान कार्रवाई होनी चाहिए। इसी आधार पर अब नगर पालिका की कार्रवाई को लेकर पारदर्शिता की मांग उठ रही है।

प्रशासन से जांच और समान कार्रवाई की मांग

वरुण चटर्जी ने जिला प्रशासन एवं नगर पालिका से मांग की है कि पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में खुले में संचालित हो रहे मीट कारोबार की जांच कराई जाए। यदि वहां निर्धारित नियमों का उल्लंघन

पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए और निर्मित मीट मार्केट को व्यवस्थित रूप से संचालित कराया जाए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने के अभियान में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। शहर में जहां भी सार्वजनिक स्थान पर अतिक्रमण है या नियमों का उल्लंघन हो रहा है, वहां समान रूप से कार्रवाई की जानी चाहिए। गरीब और छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई तथा प्रभावशाली लोगों अथवा अन्य कारोबारियों को कथित रूप से छूट देने की नीति से जनता में गलत संदेश जाता है।

कार्रवाई की निष्पक्षता पर टिकी निगाहें

फिलहाल अतिक्रमण हटाओ अभियान के बीच मीट मार्केट को लेकर उठे सवालों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। शहरवासियों की नजर अब इस बात पर है कि प्रशासन पुरानी सब्जी मंडी में खुले में मीट कारोबार की शिकायतों को लेकर क्या कदम उठाता है। यदि प्रशासन सभी क्षेत्रों में समान रूप से कार्रवाई करता है तो इससे अभियान की निष्पक्षता को लेकर लोगों का भरोसा मजबूत होगा। वहीं किसी एक मामले में कार्रवाई और दूसरे में अनदेखी की स्थिति बनी रही तो दोहरे मापदंड को लेकर उठ रहे सवाल और गहरे हो सकते हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि अतिक्रमण हटाने का अभियान केवल गरीब और छोटे दुकानदारों तक सीमित न रहे, बल्कि शहर की समूची व्यवस्था को नियमों के दायरे में लाने की दिशा में कार्रवाई की जाए। साथ ही मीट कारोबार के लिए बनाए गए निर्धारित बाजार को प्रभावी रूप से संचालित कराया जाए, ताकि शहर में स्वच्छता, यातायात और व्यवस्थित बाजार व्यवस्था कायम हो सके।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद हत्या के दोषी को 30 साल का कठोर कारावास, फिर उम्रकैद

पॉक्सो विशेष न्यायालय का फैसला, वैज्ञानिक साक्ष्यों और डीएनए जांच से साबित हुआ अपराध

अनूपपुर। अनूपपुर जिले की विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) कृष्णा डागरिया की अदालत ने जैतहरी थाना क्षेत्र के चर्चित नाबालिग दुष्कर्म एवं हत्या प्रकरण में आरोपी को दोषी करार देते हुए कड़ी सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी को पाँक्सो अधिनियम के तहत 30 वर्ष के कठोर कारावास तथा हत्या के अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक हेमंत अग्रवाल ने प्रभावी पैरवी की। न्यायालय ने पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत पीड़िता और आरोपी की पहचान गोपनीय रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पीड़िता को नियमानुसार मध्यप्रदेश प्रतिकर (सहायता राशि) योजना के तहत सहायता राशि उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए गए हैं। अभियोजन के अनुसार जैतहरी थाना पुलिस को पिकनिक डोंगरी जंगल के समीप नाले के पास 13 वर्षीय बालिका का शव निर्वन्ध अवस्था में मिला



था। सूचना पर एफएसएल टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि आरोपी ने बालिका के साथ दुष्कर्म करने के बाद नेल कटर और पत्थर से उसकी हत्या कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने डीएनए जांच सहित वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की संलिप्तता प्रमाणित की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त नेल कटर, चाकू, घटना के समय पहने गए कपड़े तथा अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त कर न्यायालय में प्रस्तुत किए। मामले की सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान, वैज्ञानिक साक्ष्यों और

उपलब्ध प्रमाणों के परीक्षण के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार दिया। न्यायालय ने आदेश दिया कि आरोपी पहले पॉक्सो अधिनियम के तहत 30 वर्ष का कठोर कारावास भुगतेगा, इसके बाद हत्या के अपराध में सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा प्रभावी होगी। अभियोजन के अनुसार आरोपी पहले से ही पीड़िता की मां की हत्या के एक अन्य मामले में जेल में निरुद्ध है। न्यायालय के इस फैसले को नाबालिगों के विरुद्ध जघन्य अपराधों में कठोर दंड का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है।



जिला अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता के नेतृत्व में सौंपा गया ज्ञापन, व्यापारियों के हितों की उठाई आवाज

उद्योग एवं व्यापार जगत की समस्याओं को लेकर कांग्रेस उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ ने सौंपा ज्ञापन

अनूपपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ की ओर से प्रदेश के व्यापारियों, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा व्यवसायियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर राज्य सरकार के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान प्रदेशभर में विभिन्न जिलों में भी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने अपने-अपने स्तर पर ज्ञापन देकर व्यापारियों की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। इसी क्रम में कांग्रेस उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ अनूपपुर के जिला अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता ने अपने नेतृत्व में पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष रमेश सिंह, सेवादल के डॉ. एहसान अली, पुष्पेंद्र विपाठी, जाकिर राठौर, शालू अहमद, राम सजीवन गौतम, गुड्डा सोनी व पदाधिकारियों एवं व्यापारिक

प्रतिनिधियों के साथ ज्ञापन सौंपकर स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों की समस्याओं को प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के समस्या बढ़ती लागत, जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाएं, कर संबंधी कठिनाइयां, बाजार में घटती क्रय शक्ति तथा छोटे उद्योगों के सामने वित्तीय संकट जैसी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं, जिनका शीघ्र समाधान आवश्यक है। ज्ञापन में सरकार से मांग की गई कि व्यापारियों के लिए सरल एवं पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए, उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए आवश्यक अनुमतियाँ एवं लाइसेंस संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए। इसके साथ ही लघु एवं मध्यम उद्योगों को सस्ती ऋण सुविधा, वित्तीय सहायता तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं लागू करने की भी मांग की गई। जिला अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता ने कहा कि व्यापारी वर्ग प्रदेश की

अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि व्यापारियों और छोटे उद्योगों को समय पर राहत नहीं मिली तो इसका प्रतिकूल प्रभाव रोजगार और आर्थिक विकास पर पड़ेगा। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि व्यापारिक संगठनों के सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिए जाएं। प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापार और उद्योग का विकास प्रदेश की समग्र आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। इसलिए सरकार को ऐसी नीतियां लागू करनी चाहिए, जिनसे व्यापारियों का विश्वास मजबूत हो और निवेश तथा रोजगार के नए अवसर सृजित हों। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, व्यापारी प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में व्यापारिक समुदाय की समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग करते हुए प्रदेश में उद्योग एवं व्यापार के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया।